मिराज व राफेल के लिए जेवर में बनेगा एमआरओ फ्रांस की डसाल्ट एविएशन खोलेगी कौशल विवि

जासं, ग्रेटर नोएडा: जेवर में लड़ाकू विमान राफेल व मिराज 2000 के रखरखाव एवं मरम्मत की सुविधा के लिए मेंटेनेंस, रिपेयर एवं ओवरहालिंग (एमआरओ) विकसित होगा। फ्रांस की कंपनी डसाल्ट एविएशन ने एमआरओ के लिए जमीन मांगी है। कंपनी एमआरओ में पेशेवरों की जरूरत को पूरा करने के लिए स्किल यूनिवर्सिटी स्थापित करेगी। कंपनी की ओर से केंद्र सरकार को दिया गया प्रस्ताव प्रदेश सरकार के माध्यम से यमुना प्राधिकरण को मिला है। प्राधिकरण ने कंपनी से संपर्क पर जमीन की आवश्यकता के बारे में पूछा है।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक 1365 हेक्टेयर जमीन एमआरओ के लिए अधिगृहीत हुई है। डसाल्ट एविएशन का प्रस्ताव मिलने के बाद एमआरओ के

- **केंद्र से प्रदेश सरकार के जरिये यमुना प्राधिकरण को मिला प्रस्ताव**
- **यात्री व सैन्य विमानों के रखरखाव व मरम्मत के लिए होगा एमआरओ**

विकास का काम तेजी से शुरू होने की उम्मीद है। एमआरओ में यात्री विमानों के साथ वायु सेना के विमानों का भी मरम्मत एवं रखरखाव होगा। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा. अरुणवीर सिंह का कहना है कि कंपनी ने कौशल विकास मंत्रालय में कौशल विश्वविद्यालय के लिए प्रस्ताव दिया था, रक्षा मंत्रालय से प्रदेश सरकार होते हुए यह प्रस्ताव यीडा को मिला है। एमआरओ के लिए भी बातचीत चल रही है। कंपनी सिविल व सैन्य विमानों के लिए एमआरओ विकसित करने की इच्छुक है। भारत में एमआरओ का बाजार 2021 में 170 करोड़ था, 2030 तक यह 700 करोड़ हो जाएगा। रोजगार के लिहाज से यह सेक्टर काफी बड़ा है। डसाल्ट एविएशन एमआरओ में कुशल पेशेवरों की मांग को पूरा करने के लिए कौशल विश्वविद्यालय भी स्थापित करेगी। इसे सेंटर आफ एक्सीलेंस के तौर पर विकसित किया जाएगा। दसवीं व बारहवीं के अलावा तीन वर्षीय पालिटेक्निक डिप्लोमा व एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस में स्नातक पाठ्यक्रम होंगे।

नोएडा एयरपोर्ट परिसर में भी 40 एकड़ में एमआरओ प्रस्तावित है। इसे एयरपोर्ट शुरू होने के दस साल में विकसित करना होगा। एमआरओ को व्यावसायिक तौर पर विकसित करने के लिए एयरपोर्ट के सटकर 1365 हेक्टेयर जमीन अधिगृहीत की गई है। एक रनवे भी बनाया जाएगा।